रात्रिक्लास 19-5-68 ओमशान्ति शिव बाबा याद है?

बच्चों से बाबापूछ रहे हैं सभी यह निश्चय बुधि है कि हम बाप दादा के सम्मुख बैठे हैं। क्योंकि जानते हैं बाप दादा के सम्मुख बैठे हैं बाप से वर्सा लेने लिए। बाप और सृष्टि चक्र को तुम समझते हो। जानते होगे फिर उस बाबा के पास आये हैं। जिसके पास हर 5000बर्ष के बाद आते हैं औरपुरुषार्थ कर सुखधाम के मालिक बनते हैं। हम पुरुषोत्तम संगमी बच्चे हैऔर कलियुगीज़मीन को छोड़ दिया है। जा रहे हैं। कैसे जा बुधि योग बल बा याद की यात्रा सके। औरों की यात्राएं अनेक हैं। तुम बच्चों कीएक है। हर 5000बर्ष बाद एक ही बार रूहानी यात्रा करते हैं। इसके लिए ही समझाया जाता है अन्त मतं जहां की याद। वहां जाकर पहुंचते हैं। यह है ही तुम बच्चों के लिए। बुधि में है हम घर जाये फिर सुखधाम जावेंगे। अभीदुःखधाम है। यह तो समझते हो ना। निश्चय बुध विजयन्ती। रावण पर विजय पाकर स्वर्ग में जावेंगे। ऐसे युनिवर्सिटी में पढ़ने वालों के अन्दर में खुशी का पारा-वार होना चाहिए। ऐसे तकदीरवान दुनिया में कोई नहीं होंगे। ऐसे नहीं यहां बाप समझाते हैं तब दिल में रखते हो। बच्चे जानते हैं हम देवताओं से भी उत्तम हैं। क्योंकि वहो देवताओं के साथ रहते हैं यहां हम बाप के साथ रहते हैं। ईश्वरीय परिवार के बने हैं दैवी परिवार में जाने लिए। सहज समझाया जाता है ना। तुम हो रूहानी बच्चे। छोटे2 बच्चे हो तो छोटी2 बात भीसमझाई जाती है। जानते हो हम बेहद के बाप के परिवार में हैं। ईश्वरीय परिवार के बने हैं स्वर्ग की राजाई प्राप्त करने लिए। तुम बच्चों को अथाह गुप्त खुशी होनी चाहिए। तुम बच्चों को शान्ति ऐसी हैजैसे कोई शरीर से अलग होशान्त हो जाते। तुमको समझाया जाता है यह पुरानीजूती है। हमको नई पहननी है। शरीर को जूती कहा जाताहैं। दूसरी जूती लेते हो। तुमको तो समझ है 84 का चक्र लगाया है। अभी आत्मा और शरीर दोनों हो तमोप्रधान हैं। फिर आत्मा को सतोप्रधान बनाने वाला सामने बैठे हैं। वह हमको एक्युरेटसिखलाते हैं। [illegible] नहीं पड़ सकता। एक्युरेट वही समझाते हैं जो कल्प कल्प समझाते हैं। निश्चय [illegible] है ड्रामा है। सृष्टि का चक्र है जो फिरता रहता है। जैसे घड़ी की टिक2 होता हवस [illegible] रहता है। बाप निर्मोही भी बनाते हैं। देवी-देवताएं निर्मोही होते हैं। यह तो अज्ञान काल [illegible] में भी कहते थे बाबा हम निर्मोही बनुंगा। सिवाय आप के और कोई से बुधि का योग नहीं लगावेंगे। बुधि कहती हैं स्वर्ग में तो सभी निर्मोही रहते हैं। रो-पीटने आद की दरकार ही नहीं। कई बच्चे मैसुर मद्रास के हैं [illegible] नहीं समझते होंगे तो ईन्टर-प्रेटर समझाते रहेंगे। समझना है हम निर्मोहा मोह-जीत राजा बन रहे हैं। यह सभी बच्चों को निश्चय है। हम मनुष्य से देवता बन रहे हैं। गायन भी है मनुष्य से देवता किये ... परन्तु अर्थ कुछ नहीं। तुम बच्चों की बुधि में अर्थ है। तुम जानते हो यह भारतवासी एक तो गुड्डयों की पूजा करते हैं तुमको यह देख वन्डर लगता है। पूजा करते हैं आक्युपेशन हो जानते ही नहीं। यह तो वन्डर है ना। और बच्चे समझते भी हैं भक्त भगवान को ढूढ़ते रहते हैं। ठिक्कर भित्तर में। तुमको ढूढ़ने की दरकार ही नहीं। अभी तो तुम गोयाउनके गोद में बैठे हो। गोद में वारस बैठते हैं। यहां तो सभी पवित्र रहते हैं। अगर कोई अपवित्र छीपे हुये बैठे होंगे तो अपने तकदीर को लकीर लगाते हैं। और ही जास्ती अपने को नुकसान पहुंचाते हैं। होली बनना तो अच्छा है ना। अभी तुम अनहोली से होली बनते हो होली वर्ल्ड में जाने लिए। यह होली वर्ल्ड नहीं है। होली बन रहे हो सम्पूर्ण होली बने नही हो। बन जावेंगे तो फिर लड़ाई भी लग जावेगी। यहां होलीएस्ट आप होली बन रहे हो। जो अच्छे बच्चे पुरुषार्थी हैं वह तो समझते होंगे हम होली बन और देवी गुण धारण करन से ही विजय माला में पिराये जावेंगे। माला सिमरी जाती है ना। आठ तो मशहुर है 8 9 रत्न कहते है नावहही रत्न बनाने वाला। उस लोहे की डब्बी में बैठा है। कहते हैं मैं लिये सोने की डबली होती ही नहीं। मैं लोहे की डब्बी में ही बैठता हूं। यह बाते भी तुम सुनते हो। तुम जानते होअनेक वार गोल्डेन एज में फिर आयरन एज में आये हैं। यह भी वन्डर है। तुम बच्चों की बुधि [illegible] है

भक्ति मार्ग पूरा हुआ अभी ज्ञान मार्ग में हैं। फिर भक्ति मार्ग शुरू होगा। नालेज कितनी सहज है। सिर्फ दैवीगुण धारण करनी है। यह आंखें हैं नम्बरवननुकसान-कारक। बड़ा धोखा देती है। बाप समझाते हैं इसके बदली तुमको तीसरा नेत्र मिलता है उस से ही काम लेना है। अपन को आत्मासमझसभी को आत्मा हीदेखो। आत्मारं सभी भाई2 हैं। देह अभिमान तोड़ते जाना है। देह के धर्म सभी छोड़ अपन को आत्मासमझ भाई2 समझो। बाप का याद करो तो जन्म जन्मान्तर के पाप कट जावेंगे। ऐसे नहीं कि भूल जाता हूं। फिर यात्रा होती ही नहीं। यात्रा तो कायदे सिरे करनी है। बाबा ने बताया है आठ घंटा थोड़ा2 सर्विस कर के फिर आठ घंटा यह सर्विस करनी है। फिर तुम्हारी अवस्था उड़ पड़ेगी। भागने चाहेंगे। जंक निकल जावेगी फिर उड़ जावेंगे। यहां जंक चढ़ी हुई है। इसलिए वापस कोई भी जा नहीं सकते हैं। हरेक को अपना2 पार्ट मिला हुआ है। सभी एक्टर्स हैं भिन्न2 प्रकार के। कोई अच्छी रीत अपने एक्टको, धर्म को जान गये हैं। समझ और बेसमझ का यह ड्रामा बना हुआ है। सभी बच्चे पुरुषार्थी हैं। पुरुषार्थ कर सम्मुख आते हैं। खुशी होती है। हम बेहद के बाप से और साकार ब्रहमा बाबा के सम्मुख बैठे हैं। उनके ही हम बने हैं। सो तो यह याद है। और याद है। बापने युक्ति ऐसी बताई है जिसको ही रीयल शान्ति कहा जाता है। तुम्हारी याद है जैसे डेड-सायलेन्स हो जाते हो। तुम इस शरीर को छोड़शान्तिधाम जाने वाले हो। स्वधर्म में टिको तो तुम्हारे पाप भस्म हो जावेंगे। यह सभी बातें तुम बच्चों को बुधि में हैं। बाबा रिपीट करते हैं रिफाईन करने। यहां तुम बैठे हो बेहद के बाप के पास जिससे फिर वर्सा मिलता है। मुंझने की कोई बात ही नहीं। बाप तो कहते हैं भूल जाओ याद करोआसक्ती तोड़नी है। सभी कुछ है ही ईश्वर का।

मधुबन में आना यह भी यात्रा है। सब से ऊंची यात्रा है। ऐसे नहीं वेदशास्त्र पढ़ने से भगवान मिल जावेंगे। वा भगवान कोई रूप में आवेंगे। यहां तो कुछ भी बात नहीं। बहुत सहज है। फिर शरीर निर्वाह भी करते रहो और भविष्य में 21 जन्म लियेजमा करना है। बापको व्यापारी सौदागर भी कहते हैं। परन्तु थोड़े ही हैं। बाप कहते हैं बच्चों जीते रहो। कहां माया मार न डाले। मां बाप बच्चों को कहेंगेबच्चे जीते रहो अपनी सम्भाल करनी है कहां माया माया घुसा न मार देवे। लिखते हैं बाबा मा आप की याद भूल देती है। जिस बापसे पदमापदम भाग्यशाली बन रहे हो उनको ही याद करते हो। तुम्हारी आयु बहुत बड़ी थी अभी छोटी है फिर योगबल से बड़ी बन जावेंगी। जीते जी तुम्हारी बुधि है नई दुनिया में। अच्छा मीठे सिकीलधे बच्चों को याद प्यार गुडनाईट। रूहानी बच्चों को रूहानी बाप का नमस्ते। नमस्ते।

रात्रि क्लास 20-5-68 :- बापदादा के प्लेन्टी चिल्ड्रेन्स। बच्चे जानते हैं बाप और दादा प्लेन्टी प्लेन्टी चिल्ड्रेन्स हैं। प्लेन्टी चिल्ड्रेन्स को क्या मिलता है? प्लेन्टी2 प्राप्ती मिलती है नम्बरवार पुरुषार्थ अनुसार। जितना जिसको चाहिए वह पुरुषार्थ कर ले सकते हैं। कैसे। फालो फादर। फालो फादर और मदर। मदर फादर किसको कहा जाता है नाम बताओ दोनों के। (शिव बाबा और ब्रहमा बाबा) रांग। फालो उनको किया जाता है जो पुरुषार्थ करते हैं। शिव बाबा पुरुषार्थ करते नहीं हैं। फिर उनको फालो कैसे करेंगे? फादर शिव बाबा कोकहेंगे तो फिर मदर चाहिए। अगर कहते हो यह मदर भी है फादर भी है तो कहेंगे हां। कुछ राईट है। क्योंकि शिव बाबा को तो पहले फालो करना है। आये हैं बच्चों के लिए तो पहले नम्बर में मत वह देते हैं। फिर हुआ एक्टिविटी में। बाप भी हुआ। शिव बाबा भी हुआ ब्रहमा बाबा भी हुआ फिर माता तो तुम हो। तुमको कोई फालो करता है? वास्तव में फालो सभी एक दो को करते हैं। जो जिसको मत देते हैं उनको ही फालो करते हैं। सभीएक दो को फालो करते हैं। फालो करने वाले तुम ब्राहमण ही हो। तुमएक दो को फालो करते हो पढ़ने लिए। बाकी सभी फालो करते हैं गिरने के लिए। तुम बच्चों की है चढ़ती कला। बाकी सभी की है उतरती कला। वह है आसुरी सम्प्रदाय। तुम हो ईश्वरीय सम्प्रदाय। ईश्वरीय सम्प्रदाय एक दो को फालो